टाइम कैप्सूल से सहेजी जाएंगी एचबीटीयू की सभी यादगार वस्तुएं

जास, कानपुर : हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) में शताब्दी वर्ष समारोह के आयोजनों की शुरुआत 25 नवंबर से होगी। सात दिन तक चलने वाले इन कार्यक्रमों में राष्ट्रपति के शामिल होने की संभावना है। समारोह को यादगार बनाने के लिए विश्वविद्यालय से जुड़ी यादें, उपलब्धियां, महत्वपूर्ण जानकारियों को टाइम कैप्सूल के माध्यम से सुरक्षित किया जाएगा। इसके लिए कंपनियों से बातचीत हो गई है।

आइआइटी कानपुर अपने गोल्डन जुबली, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि शताब्दी वर्ष समारोह में टाइम कैप्सूल का इस्तेमाल कर चुका है। इसमें कैप्सूल को बोरिंग या अन्य माध्यम से जमीन के कुछ फीट नीचे सुरक्षित किया जाता है। एचबीटीयू के कुलपति प्रो. शमशेर ने बताया कि टाइम कैप्सूल की प्रस्तावित डिजाइन तैयार हो गई है। कैप्सूल के अंदर की गैस को बाहर निकालकर वैक्यूम तैयार किया जाता है। इससे हवा के संपर्क में आने से वस्तुएं खराब नहीं होती हैं।

ये होता है टाइम कैप्सूल : टाइम कैप्सूल विशेष तरह के धातु से बनाया जाता है, जिसमें तापमान, नमी आदि का असर नहीं होता है। जमीन के अंदर होने के बाद भी ये सुरक्षित रहता है। इसे जमीन में इसलिए भेजा जाता है, भविष्य में बाहर निकालकर संस्थान की जानकारी मिल सके।

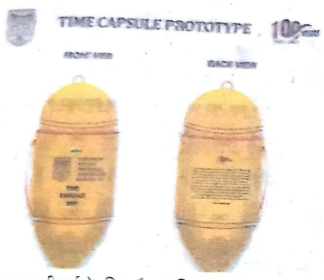

एचबीटीयू के शताब्दी वर्ष के लिए तैयार किए जा रहे टाइम कैप्सूल का प्रस्तावित चित्र ■ एचबीटीयू

यह वस्तुएं रखी जा सकती हैं

- सौ साल का इतिहास
- पहली मीटिंग के मिनट्स
- उपलब्धियां
- अंग्रेजों के जमाने की यादें
- तकनीकी जानकारियां
- संस्थान से विवि तक का सफर
- सीडी, लोगो, स्टीकर, मेडल समेत अन्य निशानियां

2006
में सीएसए के शताब्दी समारोह में टाइम कैप्सूल का हुआ था इस्तेमाल

2010
में आइआइटी के गोल्डन जुबली कार्यक्रम में जमीन के अंदर भेजा गया था

Scanned by CamScanner